"संस्कृति और नैतिकता का बदलता स्वरूप "

डॉ. बाबूलाल शर्मा, सहायक आचार्य, श्री खुशालदास विश्वविद्यालय, हनुमानगढ़ (राज.)

संस्कृति और नैतिकता समय के साथ लगातार परिवर्तनशील होती है । यह परिवर्तन सामाजिक,आर्थिक,राजनीतिक और तकनीकी परिवर्तनों से प्रभावित होते रहते हैं । आज के वैश्वीकरण के समय में विभिन्न संस्कृतियों का मिश्रण हो रहा है । जिससे कई संस्कृतियों पनप रही है जिस प्रकार पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव भारतीय संस्कृति पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है । जिसमें संगीत खान-पान वेशभूषा प्रमुख है । इसके अतिरिक्त तकनीकी प्रगति ने भी संस्कृति को प्रभावित किया है सोशल मीडिया और इंटरनेट ने लोगों को नए विचारों और दृष्टिकोण सेअवगत करवाया है । जिससे उसकी सोच और विचारधाराओं में काफी परिवर्तन देखने को मिलता है।